last three years, year-wise and till March, 1992; and

(b) what steps Government are taking to check the increase in the rate of accidents on National Highways ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISRTY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER) : (a) The total number of road accidents on National Highways during *1989—91* is as under :

1989	71,633
1990	76,400
1991	78,223 (estimated)
1992 (till March)	20,000 (estimated)

(b) The steps taken/being taken by the Central Government and State Governments are detailed in the Statement.

Statement

The Steps taken/being taken include—

1. The M.V. Act, 1988 and the Rules framed thereunder provide for stricter requirements in respect of issuance of driving licences, and stringent penalties for offences.
2. Formal training in a driving school is made a pre-requisite for issuance of licence to drive transport vehicles.
3. Maximum safe laden weights have been prescribed for trucks including light commercial vehicles.
4. Maximum speed limits have been prescribed for all vehicles except light motor vehicles.
5. Uniform intervals for checking the fitness of vehicles have been prescribed throughout the country.
6. It is prescribed that road safety devices would be fitted in the vehicles viz. direction indicators with blinker system for vehicles, special labels on cariages carrying dangerous or hazardous goods.
7. Introduction of blinkers/signals at accident prone areas.
8. More Police presence in accident prone areas.
9. Use of Doordarshan/AIR/Press for giving wide publicity on road safety.
10. Special night checking on Highways.

उत्तर प्रदेश में क्षतिग्रस्त राष्ट्रीय राजमार्ग

350. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या **जल-भूतल परिवहन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश में कितने राष्ट्रीय राजमार्ग क्षतिग्रस्त हैं, और

(ख) गत दो वर्षों के दौरान इन राजमार्गों की मरम्मत के लिए क्या-क्या प्रस्ताव थे तथा मरम्मत-कार्य पर राजमार्ग-वार कितनी-कितनी धनराशि व्यय की गई ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) ग्यारह राष्ट्रीय राजमार्ग उत्तर प्रदेश राज्य से गुजरते हैं, इन राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लम्बाई 2613 कि० मी० है।

(ख) राष्ट्रीय राजमार्गों का अनुरक्षण और मरम्मत एक सतत प्रक्रिया है। राज्य में सभी राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए प्रति वर्ष राज्य द्वारा प्रस्ताव तैयार किए जाते हैं और संसाधनों की समग्र उपलब्धता के अनुसार आबंटन किए जाते हैं। पिछले दो वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों के अनुरक्षण पर किया गया खर्च नीचे दिया गया है :

वर्ष	खर्च (लाख रु०)
1990-91	1,142.80
1991-92 (2/92 तक)	1,169.04

राष्ट्रीय जल-मार्गों पर नौवहन सुविधाएं

351. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या **जल-भूतल परिवहन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय जल-मार्गों पर 1990-91 के प्रस्ताव के अनुसार नौवहन सुविधाएं अभी तक उपलब्ध नहीं करायी गई हैं,

(ख) इस संबंध में अब तक कौन-कौन से कार्य पूरे हो चुके हैं और कौन-कौन से कार्य अभी पूरे किए जाने हैं, और

(ग) उपर्युक्त कार्य को कब तक पूरा कर लिया जाएगा ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) से (ग) इस समय दो राष्ट्रीय जलमार्ग हैं। वर्ष 1990-91 के दौरान राष्ट्रीय जलमार्ग (गंगा-भागीरथी-हुगली के इलाहाबाद-हल्दिया खंड) में 1.5 मीटर गहरे और 45 मीटर चौड़े नौचालन चैनल के नौचालन के लिये हल्दिया बलिया खंड में व्यवस्था की गई थी और कार्गो को उतारने/चढ़ाने के लिये भागलपुर, मुंगेर और पटना में टर्मिनल सुविधाओं को बनाए रखा गया। ब्रह्मपुत्र में धुबरी-गामड़ी खंड में 2 मीटर गहरे और 45 मीटर चौड़े नौचालन चैनल की व्यवस्था की गई। ये नौचालन चैनल दिन के समय नौचालन के लिये मार्क किए गए थे।

पटना में एक सामान्य कार्गो बर्थ के निर्माण की एक स्कीम 4.90 करोड़ रु० की अनुमानित लागत से सितम्बर, 1991 में स्वीकृत की गई थी। इस स्कीम को तीन वर्ष की अवधि में पूरा करने की योजना है।

उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग

352. श्री ईश दत्त यादव : क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि : (क) पिछले दो वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास, रख-रखाव और मरम्मत कार्य पर राजमार्ग-वार कितनी-कितनी धनराशि व्यय की गई है, और

(ख) आगामी वर्षों में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास और रख-रखाव की राष्ट्रीय राजमार्ग वार क्या-क्या योजनाएं हैं ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) पिछले दो वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश म राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास और अनुरक्षण/मरम्मत पर किये गये खर्च के ब्यौरे नीचे दिए गए हैं :

	1990-91	1991-92 (2/92 तक)
	(लाख रु०)	(लाख रु०)
1. विकास	6,516.36	5,086.14
2. अनुरक्षण और मरम्मत	1,142.82	1,169.04

(ख) चूंकि आठवीं पंचवर्षीय योजना और 1992-93 के वार्षिक कार्यक्रम को अभी अंतिम रूप दिया जाना है, अतः आगामी वर्ष में उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास की स्कीमें बता पाना अभी संभव नहीं है।

विज्ञापनों पर व्यय

353. **श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मौम अफजल** : क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार ने 1991-92 के दौरान विज्ञापनों पर कितना धन व्यय किया है, और

(ख) उपर्युक्त अवधि के दौरान समाचार-पत्रों को भाषावार, कितनी-कितनी रकम के विज्ञापन दिये गये ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) और (ख) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी।

Revival and Modernisation of Shipyards

354. SHRI GHUFRAN AZAM : Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state :

(a) whether Government propose to revive and modernise the Hindustan Shipyard Limited and Cochin Shipyard Limited;